दूसरों से उम्मीद दुःख का मूल

'यदि हम ख़ुद को या दूसरों को ख़ुश करने के लिए कुछ बनाते हैं, तो समझिए कि रेत पर किला बना रहे हैं, यदि हम ईश्वर के प्रेम की ख़ातिर बना रहे हैं तो चट्टान पर बना रहे हैं।' - ओस्वाल्ड चैम्बर्स

जीवन सार

लोगों के दुःखी रहने का सबसे बड़ा कारण लोगों से आस लगाना है। एक विद्वान का सिद्धांत है, 'सुकून पाने का पहला सिद्धांत है कि हम अच्छे काम करें और लोगों से उसके बदले कोई उम्मीद न लगाएं, उम्मीद सिर्फ और सिर्फ ईश्वर से ही लगाई जाए। अगर बदले में लोग आपसे अच्छा सुलूक कर लें, तो इसे ईश्वर का वरदान समझें कि उसने आपके अच्छे कर्मों का फल धरती पर भी दे दिया।'

गौतम बुद्ध के मुँह पर एक व्यक्ति ने थूक दिया, उन्होंने थूक को चादर से साफ करते हुए कहा, 'क्या तुम्हें और भी कुछ कहना है?' वह व्यक्ति स्तब्ध रह गया और बुद्ध के पैरों पर गिर कर बोला, 'मुझे क्षमा कर दीजिए, और मुझे अपने प्रेम से वंचित न करिएगा।' बुद्ध बोले, ' मैं तुमसे पहले इसलिए प्रेम थोड़े ही करता था कि तुम मुझ पर थूकते नहीं थे, मेरा प्रेम तुम्हारे थूकने पर निर्भर नहीं है, वह तो इन सबसे परे है, वह तो बिना उम्मीद के है, न अच्छी न बुरी।'

यदि आप भी पुरज़ोर सुकून और एक सुख की झील अपने आंगन में चाहते हैं, तो लोगों से उम्मीद बांधना छोड़कर केवल एक ईश्वर से उम्मीद लगाएं...

विश्वास करें, यह सिद्धांत आपके जीवन में पुरज़ोर सुकून भर देगा, आपका ब्लड प्रेशर सामान्य रखेगा, आपकी अनिद्रा की समस्या को समाप्त कर देगा, शुगर, कोलेस्ट्रॉल, यूरिया जैसे घातक तत्वों को शरीर में बढ़ने नहीं देगा, अल्सर, जोड़ों का दर्द और हृदय रोग को दूर रखेगा।

यह सुकून यक़ीनन आपको दुनिया की किसी भी दवा या आराम से प्राप्त नहीं हो सकता। इसके बारे में सही व्याख्या वही कर सकता है, जिसने वास्तव में ऐसा करके अपने हृदय में एक दिव्य अमृत भरा हो। हाँ, शायद आपने भी ऐसा कभी किया हो या प्रतिदिन ही ऐसा करते हों और यदि नहीं करते, तो आज से ही अपने कार्य ईश्वर को समर्पित कर दें। हाँ, इसका फल आप ही को तो मिलेगा।

मुख बड़ा अनमोल

मुख की सबसे बड़ी शक्ति अंदर छिपी हुई जिह्वा है। कहते हैं 'टंग हैज़ नो बोन, बट इट कैन ब्रेक मेनी बोन्स'। ईश्वर की सर्वोत्तम रचना मनुष्य है। उसमें भी मुख उसका प्रमुख साधन है अभिव्यक्ति का। तो इतने सुंदर मुख की महत्ता को समझना हमारे लिए बहुत ज़रूरी है। जब इस मुख रूपी साधन को ठीक-ठीक रूप से इस्तेमाल करेंगे, तब तो प्रभु के प्रदत्त इस साधन का ऋण चुका सकेंगे।

§

हमें बोलने के लिए जो मुख मिला है, यह बड़ा अनमोल साधन है। इस द्वारा हम प्रभु की महिमा का गीत गा सकते हैं, मीठे वचन बोलकर किसी को समीप ला सकते हैं, अपने हृदय के स्नेहपूर्ण भाव को व्यक्त कर सकते हैं और आत्मा-परमात्मा इत्यादि दार्शनिक विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान कर उनके गहरे मर्म को समझ और समझा सकते हैं और जो बात समझ न आयी हो, उसके विषय में पूछकर ज्ञान की कमियों को भी दूर कर सकते हैं। अगर कभी कोई भूल हो जाये तो उसके लिए हम क्षमा मांगकर अपने मन का कुछ बोझ हल्का कर सकते हैं, कोई हँसी-विनोद की बात कहकर हम जीवन में खिलखिलाहट भी ला सकते हैं और शान्तरस की बात कहकर

किसी के मन को शान्ति की लहरों में हिलोरें दिला सकते हैं। अर्थात् इसके अनेक प्रकार के उत्तमोत्तम प्रयोग करके जीवन में ताज़गी, शक्ति, सरलता, मधुरता, आनंद और सुख की सेज सजा सकते हैं। ऐसे में यदि हम इन सभी बातों को भूलकर मुख से दूसरों को कष्ट पहुँचाने का कार्य करते हैं तो यह वैसा ही है जैसे कि कोई पूजा के स्थान पर कचड़ा फेंक दे या सुगन्धि के स्थान पर दुर्गन्धपूर्ण चीज़ों को इकट्ठा करना प्रारम्भ करे दे। जिस मुख से कोई कविता बोल सकता है या गीत गा सकता है, उससे यदि कोई काँए-काँए या भौं-भौं या ढ़ीचूँ-ढ़ीचूँ करने लगे, जिस मुख से हम बाँसुरी बजा सकते हैं और नीति-वचन कह सकते हैं उस मुख से यदि कोई कर्कश ध्वनि करने लगे अनाप-शनाप बोलने लगे, तब तो यह इस बात का प्रतीक है कि उसकी बुद्धि का दिवाला निकल गया है।

मीठा-मीठा बोल, तेरा क्या लगेगा मोल।
अमृतरस ले घोल, हर बात को माप और तोल।
न बजाओ निन्दा का ढ़ोल, न करो भद्दा मखौल।
ज्ञान-रहस्य को खोल, है शेष सब पोलमपोल।।

नई दिल्ली। हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर मिनिस्टर जे.पी. नड्डा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. राज दीदी,मजलिस पार्क।

इलाहाबाद-उ.प्र.। कैबिनेट मिनिस्टर नंद कुमार नंदी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सुषमा।

पटना-बोरिंग रोड(बिहार)। केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. अनीता।

वाराणसी-उ.प्र.। रेलवे तथा दूर संचार राज्यमंत्री मनोज सिन्हा को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सरोज बहन।

जम्मू-भदरवाह। सी.आर.पी.एफ. के अधिकारियों तथा जवानों को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. अंजू, ब्र.कु. राखी, ब्र.कु. राम, कमाण्डेंट के. पदम तथा जवान।

बलरामपुर-उ.प्र.। जेल में अधिकारियों तथा कैदी भाइयों को राखी बांधने के पश्चात् चित्र में जेल अधीक्षक, ब्र.कु. अमिता, ब्र.कु. ममता, ब्र.कु. सुमन, ब्र.कु. पूजा तथा अन्य अधिकारीगण।

झालावाड़-राज.। जन आयोग अभाव निराकरण समिति के अध्यक्ष श्रीकिशन पाटीदार को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात व प्रसाद देते हुए ब्र.कु.नेहा।

लखनऊ-जानकीपुरम। आई.टी.बी.पी. के कमाण्डेंट शैलेन्द्र सिंह को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सुमन।

फरीदाबाद से.21। आइ.पी.एस. को रक्षाबंधन का महत्व समझाने के पश्चात् रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. ज्योति।